

THE MINISTER OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES AND CO-OPERATION (SHRI MOHAN DHAR/A): I beg to move for leave to introduce a Bill to amend the Energy property Act, 1968.

MR. DEPUTY-SPEAKER: The question is:

"That leave be granted to introduce a Bill to amend the Enemy Property Act, 1968."

The motion was adopted.

SHRI MOHAN DHAR/A. I introduce the Bill.

STATEMENT RE: ENEMY PROPERTY (AMENDMENT) ORDINANCE

वाणिज्य और नागरिक वृत्ति और सहकारिता मंत्रालय: मैं राज्य मंत्री (श्री कृष्ण कुमार गोयल): उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से मूल-सम्पत्ति (संशोधन) अध्यादेश, 1977 द्वारा तुरन्त विधान बनाये जाने के कारण बताने वाला एक व्याख्यात्मक विवरण (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण) सभा पटल पर रखता हूँ।

14.10 hrs.

MATTER UNDER 377

NEWS COVERAGE BY AIR AND T.V. OF LOK SABHA PROCEEDINGS RE. LADY HARDINGE MEDICAL COLLEGE ETC.

श्री मनोराम बागड़ी (मथुरा): उपाध्यक्ष महोदय, मैं अपनी बात कहूँ, उससे पहले मैं एक पत्र आपके सामने रखूँगा। नियम 377 के अन्तर्गत जो बात कही जाये, वह जिस मंत्रालय से सम्बन्ध रखनी हो, सम्बन्धित मंत्री यहाँ मौजूद न हों तो उसका कोई फायदा नहीं है। दो मंत्री रखे जाते हैं, एक बड़ा मंत्री और दूसरा राज्य मंत्री। लेकिन कोई भी मंत्री आकाशवाणी या दूरदर्शन से सम्बन्धित यहाँ पर नहीं है।

2451 LS—9.

मैं आपसे चाहूँगा कि आप आदेश दें कि सम्बन्धित मंत्री महोदय सदन में आयें और बात को सुनें। इस तरह से 377 का मतलब क्या होता है, न तो आकाशवाणी साहब हैं और न श्री जगवीर सिंह यहाँ मौजूद हैं।

MR. DEPUTY-SPEAKER. Yes, you go on to the subject. It is in order.

श्री मनी राम बागड़ी: क्या जायज है उनका गैर-हाजिर होना?

उपाध्यक्ष महोदय: 377 के अन्तर्गत जो विषय आप उठा रहे हैं, उसके बाबत किसी मिनिस्टर का यहाँ पर उपस्थित रहना जरूरी नहीं है। अगर वह चाहें तो रह सकते हैं। आप अपना विषय कहिए।

श्री मनोराम बागड़ी: उपाध्यक्ष महोदय, दूरदर्शन और आकाशवाणी का रेडियो, असल में भारत के जो बिल्कुल दिल की बात है, उसको यह कवर नहीं करते हैं। मेरा 377 के अन्तर्गत जो उल्लेख है, वह यह है कि 14 तारीख को जागरूक जनता पक्ष ने एक लाख आदमियों को रैली की और उस रैली को स्वास्थ्य मंत्री श्री राजनारायण ने संबोधित किया। आकाशवाणी के मंत्री श्री जगवीर सिंह और दूसरे कितने ही वहाँ साथ-साथ थे, लेकिन दूरदर्शन और आकाशवाणी ने उसको छुपा नहीं। हालांकि उसमें कितने ही दूसरे राज्यों के सम्बर थे।

इसी तरीके से यहाँ पर मैंने लोक-सभा में जब स्वास्थ्य मंत्री श्री राजनारायण ने मेडी हाडिंग अस्पताल बिल रखा, तब मैंने उसमें एक प्रस्ताव किया था कि मेडी हाडिंग के बजाय श्रीमती सुचेता कृपालानी

[श्री मनोराम बागड़ी।]

का नाम होना चाहिए। उसकी एक गलत भावना आकाशवाणी से दी गई कि मैंने नाम बदलने की मांग की है।

SHRI VAYALAR RAVI (Chirayinkil): I want to say something on that.

MR. DEPUTY-SPEAKER: Mr. Ravi, you must know the procedure. I am sorry you are unnecessarily trying to get up and want to say something. But, Shri Bagri has been permitted.

श्री मनोराम बागड़ी : उपाध्यक्ष महोदय, नाम बदलने में मतलब नहीं है। उसके पीछे यह इतिहास था कि विदेशी साम्राज्य और हाकिमों के नाम के बजाय भारत की आजादी के लिए जान-संघर्ष में लड़ने वाली श्रीमती मुचेता कृपालानी का नाम उसमें जोड़ा जाये। यह बात आकाशवाणी से गलत ढंग से प्रसारित हुई। उससे भारत की जानता की राष्ट्रीयता जो उभरनी चाहिए थी, वह नहीं उभर सकी। इस प्रकार आकाशवाणी ने भारत की राष्ट्रीयता का अपमान किया है।

ऐन इसी तरह मुझे आकाशवाणी और दूरदर्शन में यह भी शिकायत है कि जब हम उन्नीस महीनों तक जेलों में थे, तो ब्रज माधुरी कार्यक्रम सुन कर अपना वक्त काटा करते थे, लेकिन अब उस कार्यक्रम को भी हटा दिया गया है, मानो इन विभागों को मधुरा से कोई द्वेष है। मधुरा को वच्चो के बजाने वाले बाजे जैसा, एक पीपे जैसा, एक छोटा सा रेडियो स्टेशन दे दिया गया है, जिस का प्रसारण केवल 80 मील तक सुना जा सकता है। मैं समझता हूँ कि इस तरह भारत की संस्कृति और सभ्यता को फैलाने से रोका जा रहा है।

अच्छा होता कि मंत्री और राज्य मंत्री दोनों इस समय सदन में उपस्थित होते।

मैं कहना चाहता हूँ कि इन विभागों की शुद्धि करने की आवश्यकता है। अगर आकाशवाणी एक लाख किसानों की आवाज को कवर नहीं करता है, उस का प्रसारण नहीं करता है, तो यह हिन्दुस्तान के कोटि कोटि किसानों के साथ अन्याय है। श्रीमती मुचेता कृपालानी जैसी महान् राष्ट्रीय कार्यकर्त्री का नाम न दे कर आकाशवाणी ने राष्ट्रीयता के प्रति बड़ा अपमानजनक काम किया है।

मैं समझता हूँ कि शायद आकाशवाणी और दूरदर्शन में कोई परिवर्तन नहीं आया है। नये मंत्री आ गये हैं, लेकिन सतरी नहीं बदले हैं, जो शुक्ला जी के साथ चला करते थे। आज सतरी मंत्री को कंट्रोल करने हैं, मंत्री सतरी को नहीं। मैं चाहता हूँ कि आईदा इस किस्म की हरकत नहीं होनी चाहिए।

14.15 hrs.

MOTION RE: TWENTIETH, TWENTY-FIRST AND TWENTY SECOND REPORTS OF THE COMMISSIONER FOR SCHEDULED CASTES AND SCHEDULED TRIBES.

AND

DISCUSSION ON THE EMPLOYMENT OF SCHEDULED CASTES AND SCHEDULED TRIBES IN SERVICES AGAINST RESERVED QUOTA—
contd.

MR. DEPUTY SPEAKER: Now, we take up further consideration of the Motion moved by Prof. Madhu Dandavate and further discussion on the employment of Scheduled Castes and Scheduled Tribes. Shri C. N. Viswanathan may continue his speech.

SHRI C. N. VISWANATHAN (Tirupattur): Mr. Deputy Speaker, Sir, as I said yesterday, the same response is shown today in the House regarding this important Motion which has been moved by Prof. Dandavate. We